~~Types~~ or Kind of Evaluation

मूल्यांकन के प्रकार

1967 Scriven

मिचैल स्क्रीवन (Michael)

1. संरचनात्मक मूल्यांकन — Formative Evaluation
2. योगात्मक मूल्यांकन — Summative Evaluation
3. सतत मूल्यांकन — Continuous Evaluation
4. व्यापक मूल्यांकन — Comprehensive Evaluation

(1) संरचनात्मक मूल्यांकन

अर्थ! संरचनात्मक मूल्यांकन वह है जब कोई शैक्षिक योजना अपनी प्रारम्भिक या निर्माणावस्था में हो और उसका मूल्यांकन कर उसमें सुधार किया जाता है। उसे संरचनात्मक मूल्यांकन कहते हैं। किसी भी शैक्षिक योजना का मूल्यांकन जब उसकी प्रभावशीलता, गुणवत्ता तथा उपयोगिता को बढ़ाने के लिए किया जाता है वह संरचनात्मक मूल्यांकन कहलाता है। जैसे — यदि किसी शोध योजना के प्रथम प्रारूप का मूल्यांकन इस उद्देश्य से किया है कि उसे प्रस्तुत करके और उस पर क्रियान्वयन करने से पूर्व उसमें सुधार कर अधिक प्रभावशाली बनाया जाता है।

बनाया जाता है)

③ योगात्मक मूल्यांकन

(Summative Evalution)

अर्थ: योगात्मक मूल्यांकन किसी शैक्षिक कार्यक्रम को अन्तिम रूप देने एवं उसे जारी रखने के पश्चात उसकी सामग्री की वांछनीयता का ज्ञात करने के लिए किया जाता है जैसे — एक अध्यापक को अपने छात्रों को किसी विषय के लिए कोई एक पुस्तक बतानी है और वह उस विषय पर उपलब्ध अनेक पुस्तकों में से मूल्यांकन कर कोई एक पुस्तक उन्हें बताता है कि तो वह शिक्षक का यह मूल्यांकन योगात्मक मू० कहलाता है।

③ सतत मूल्यांकन (Continuous Evalution)

अर्थ: विद्यार्थियों के अधिगम की प्रक्रिया को निरंतर और बार-बार मूल्यांकन को सतत मूल्यांकन कहते हैं। अधिगम की प्रक्रिया की अवधि में सतत [illegible] का अर्थ — अधिगम की कमियों का नियमित परीक्षण और विश्लेषण करके

उसे सुधारा जाता है। अतः इससे स्पष्ट है कि बालक क्या जानता है

(ii) बालक क्या नहीं जानता है?

(iii) बालक अधिगम परिस्थिति में कठिनाईयाँ, अनुभव करे

अतः सतत मू० विद्यार्थियों में सुधारात्मक प्रक्रिया और शिक्षण में सुधार के माध्यम से प्रतिपुष्टि प्रदान करता है।

(B) व्यापक मूल्यांकन

अर्थ = " व्यापक मू० शैक्षिक और सह शैक्षिक (सहगामी क्रियाएँ) दोनों क्षेत्रों से विद्यार्थियों के विकास को इंगित करता है। शैक्षिक क्षेत्र में विषय से सम्बन्धित छात्र की समझ और दक्षता की जानकारी दी जाती है। सह शैक्षिक क्षेत्र में छात्र से सम्बन्धित सामाजिक विशेषता और व्यक्तिगत गुण मनोवृत्ति, रुचि, व्यवहार, भिन्नता एवं सामाजिक विशेषता के प्रसार, रुचियाँ, मनोवृत्तियाँ तथा मूल्य शामिल है।

... Evaluation.

... भिन्नता एवं सामाजिक विशेषता और रुचि प्रसार, समिति, मनोवृत्तियाँ तथा मूल्य शामिल है।

Classification of Evaluation.

मूल्यांकन प्रक्रिया का वर्गीकरण।

मूल्यांकन प्रक्रिया का वर्गीकरण निम्न प्रकार से किया गया है।

(I) स्थानन मूल्यांकन (Placement of Evaluation)

(2) संरचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation)

(III) नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation)

(IV) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन के सिद्धान्त

"Principles of Eva"

मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन —

1. उपकरणों का चुनाव।
2. उपकरणों का उपयोग।
3. पूर्ण मूल्यांकन। — पूर्ण मू० के लिए विभिन्न विधियों का प्रयोग करना चाहिए
4. मूल्यांकन कर्ता को ज्ञान — मूल्यांकन कर्ता को उपयोगिता का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए।
5. उच्च लक्ष्यों की प्राप्ति — मूल्यांकन अंतर्गत आवश्यक उच्च लक्ष्य से
6. नैतिक मूल्य — नैतिक मूल्यों का ध्यान रखना चाहिए मूल्यांकन में/ को

आदि।

Scanned with CamScanner

(Step of Eva. Process)

(मूल्यांकन प्रक्रिया के चरण)

1 — (Identifying and defining objectives)
उद्देश्य का निर्धारण एवं परिभाषीकरण

(2) अधिगम अनुभव की योजना बनाना (Planning the learning experience)

(3) विभिन्न उपकरणों के माध्यम से साक्ष्य प्रदान करना (Providing evidence through various tools of Eva.)

(4) व्यवहार परिवर्तन के क्षेत्र (Area of change in behaviour)

तीन क्षेत्र = (1) ज्ञानात्मक क्षेत्र
(2) भावात्मक क्षेत्र
(3) क्रियात्मक क्षेत्र

Scanned with CamScanner